हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजनिया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, बुधवार 24 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

बंजर पुल पर बड़े-बड़े गड्ढे नहीं की जा रही मरम्मत

बम्हनीबंजर। अंजनिया मार्ग बंजर नदी पर बने पुल पर हुए गड्ढे नहीं हो रही मरम्मत बरसात के दिनों में करना पड़ रहा मुसीबत का सामना बंजर नदी के पुल पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जिसके कारण आवागमन में परेशानी हो रही बम्हनी से अंजनिया यह मुख्य मार्ग कहलाता है यहां से बड़े-बड़े वाहन गुजरते हैं जिनके कारण हाथ से की संभावना बनी रहती है। यह पुल पर छड़ निकल आई है जिसके कारण बड़ा हादसा हो सकता है। पुल की मरम्मत सेतू विभाग के द्वारा नही किया जा रहा जिससे पुल लगातार क्षतिग्रस्त हो रहा है पुल के रखरखाव में लगातार लापरवाही की जा रही है जिससे पुल क्षतिग्रस्त हो रहा है।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के संबंध में बैठक 29 जुलाई को

मण्डला। अपर कलेक्टर से प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 अगस्त 2024 स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के संबंध में 29 जुलाई 2024 को टीएल बैठक के पश्चात जिला योजना भवन में बैठक का आयोजन किया गया है।

जिले की औसत वर्षा की जानकारी

मण्डला। जिले में इस वर्ष 1 जून से 23 जुलाई 2024 के दौरान 618.6 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि इसी अवधि तक गत वर्ष 561.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 57.1 मिलीमीटर अधिक वर्षा दर्ज की गई है।अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 जुलाई 2024 को मंडला में 94.6 मि.मी., नैनपुर में 180.6, बिछिया में 49.2, निवास में 38.4, घुघरी में 8.7 एवं नारायणगंज में 165.3 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इस प्रकार जिले में 23 जुलाई 2024 को 89.4 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

आर्थिक सहायता स्वीकृत

मण्डला। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) निवास द्वारा ग्राम बीजाडांडी निवासी नरेन्द्र कुमार की 26 जून 2024 को पानी में डूबने से मुत्यु हो जाने के कारण मृतक के निकटतम वारसान के रूप में पिता अजबसिंह को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

अज़ीम फनकार हैदर रज़ा को चादर पेश कर दी गई खिराज ए अकीदत

रज़ा साहब को देश-विदेश का कला जगत एक महान कलाकार के रूप में याद करता है - अशोक वाजपेयी

मण्डला। पद्मश्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त महान चित्रकार सैयद हैदर रज़ा की आठवीं पुण्यतिथि पर उनको पुष्पांजलि अर्पित की गई। मंडला नगर की बिंझिया स्थित कब्रिस्तान में सैयद हैदर रज़ा और उनके पिता की कब्र पर चादर पेश कर फाउंडेशन के सदस्य, कलाकार, कवि, साहित्यकार और लोक कलाकारों ने इस महान कलाकार को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। रज़ा साहब को श्रद्धांजलि देते हुए रज़ा फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी अशोक वाजपेयी ने कहा कि रज़ा साहब एक विश्व स्तर के कलाकार थे जिन्होंने अपना बचपन मंडला में बिताया। यहां की नर्मदा को वे कभी भूले नहीं। उनकी बहुत बड़ी इच्छा थी कि अगर मेरा इंतकाल भारत में हो तो मुझे नर्मदा जी के पास अपने पिता की कब्र के बगल में दफनाया जाना चाहिए। आज से 8 साल पहले आज के दिन उनका इंतकाल हुआ था। हम उनको दिल्ली से यहां लाए थे। 24 तारीख को यहां उन्हें सुपुर्द ए खाक किया गया था। अशोक वाजपेयी ने कहा कि देश का कला जगत और अंतरराष्ट्रीय कला जगत भी एक महान कलाकार के रूप में याद करता है। हम में से बहुत लोग हैं जिनको यह सौभाग्य था उनकी मित्रता का, उनके सानिध्य का, उनके प्रेरणा और आशीर्वाद का। 8 साल से हम यहां रज़ा को मंडला में फिर से मौजूद करने की कोशिश करते हैं। साल में दो बार हम आयोजन करते हैं जो चित्रकला, संगीत, लोक कला इत्यादि से संबंधित है। इससे यहां के युवा, छात्र ,कलाकार, नागरिक को यह याद रहने लगे कि वह जिस शहर में रहते हैं उस शहर से महान कलाकार आया था और इस बहाने उनका दुनिया में क्या हो रहा है इसकी भी कुछ खबर लगती रहती

चित्रकारी, साहित्य, शास्त्रीय नृत्य और लोक गीतों के समागम के साथ संपन्न हुआ रज़ा स्मृति 2024

है। अभी तक तो हमें अच्छा सहयोग मिल रहा है। उम्मीद करते हैं कि धीरे-धीरे ऐसे लोग बढ़ेंगे जो बारिश के दौरान उन छातों का उपयोग तो करेंगे ही जो रज़ा फाउंडेशन उनको रंगने के लिए देता है लेकिन बारिश के पहले और बाद में भी ऐसा अदृश्य छाता लगाए रखेंगे जिसका नाम रज़ा होगा। रज़ा स्मृति में बतौर कवि शामिल हुए चिराग शर्मा ने कहा कि मैं अपना सौभाग्य समझता हूं कि रज़ा साहब का जो योगदान है, कल की दुनिया में, उसके कर्ज को तो हम उतार नहीं सकते उन्होंने जो हम पर और दुनिया पर, जो एहसान किया है। लेकिन उन्हें याद कर हम अपनी जिम्मेदारियां को पूरा करने का एहसास जो हम जी रहे उसमें हमें बहुत सुखद अनुभूति होती है। मैं अपना सौभाग्य समझता हूं कि उस पुण्य भूमि में मुझे आने का मौका मिला है ,जहां रज़ा साहब जैसा कलाकार पैदा हुआ। जिस जमीन ने ऐसे कलाकार दिए दुनिया को, उस मिट्टी की खुशबू लेने का सौभाग्य मुझे मिला, मैं खुश किस्मत हूं रज़ा स्मृति में अपनी प्रतुती देने पहुंचे प्रसिद्ध कबीर गायक भैरू सिंह चौहान ने रज़ा साहब को श्रद्धांजलि देते हुए कहा

कि रज़ा साहब एक महान कलाकार थे। हम रज़ा फाउंडेशन के ओर से से हम बार-बार मंडला आते हैं। कबीर वाणी के द्वारा रज़ा साहब का संदेश देते हैं कि ष्हिंदू मुस्लिम सिख इसाई सब इंसानों की एक हीं माई, इन सबको मालूम नहीं है झूंठी करते लड़ाईष। रज़ा साहब बहुत ही सहज और सरल थे, अनुभवी थे, देश के जाने माने कलाकार थे। उनका समरसता, समानता और प्रेम का बहुत अच्छा भाव होगा इसलिए हम लोग सब मिलकर उनकी याद में, उनकी स्मृति में, सब कवि, गायक, सभी लोग आते हैं और बहुत अच्छा लगता है। इसके पूर्व रज़ा समृति के तीसरे दिन रज़ा कला वीथिका में बड़ी संख्या में लोग चित्रकारी करने पहुंचे तो रपटा घाट में चित्रकला कार्यशाला के कलाकारों ने अपनी कलाकृति पूर्ण की। कबीर गायक भैरू सिंह चौहान ने सरदार पटेल स्कूल ऑफ नर्सिंग में कबीर गायन की शानदार प्रस्तुति दी। झंकार भवन में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में सुशीला पुरी, जोशन बनर्जी आडवानी, अमरदीप सिंह और कमर अब्बास अपने काव्य पाठ प्रस्तुत किए। प्रसिद्ध कबीर गायक भैरू सिंह चौहान ने अपने साथियों के साथ अपने अनोखे अंदाज़ में कबीर गायन से शमां बांध दिया। इस दौरान ग्रीष्म ऋतु में चित्रकला कार्यशाला और संगीत कार्यशाला के प्रतिभागियों को रज़ा फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी अशोक वाजपेयी ने सर्टिफिकेट प्रदान किए। छातों में आकर्षक और कलात्मक कलाकारी करने वालों को छाते भी वितरित किए गए। रज़ा स्मृति 2024 के आयोजन को सफल बनाने में में इनर वोइस सोसाइटी, माँ रेवा सेवा महाआरती समिति और सरदार पटेल स्कूल ऑफ नर्सिंग, मण्डला ने अपना विशेष सहयोग प्रदान किया।

जनसुनवाई में प्रभारी कलेक्टर ने सुनी 92 आवेदकों की समस्याएँ

मण्डला। जिला योजना भवन में आयोजित जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत एवं प्रभारी कलेक्टर श्रेयांश कूमट ने आवेदकों की समस्याएं सुनी। इस दौरान 92 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत किए। सीईओ जिला पंचायत एवं प्रभारी कलेक्टर ने सभी आवेदकों की समस्याओं को सुनते हुए उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर ऋषभ जैन एवं हुनेन्द्र घोरमारे सहित संबंधित विभागों के जिलाधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। मंगलवार को सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कटरा निवासी रविन्द्र कुमार ने मुआवजा राशि दिलाने, ग्राम सेमरखापा निवासी कमलेश कुमार ने वेतन, ग्राम गंजना निवासी दशोदी ने मध्यान्ह भोजन रसोई यथावत रहने, अहमदपुर निवासी गुलाब दास ने क्षतिपूर्ति मुआवजा राशि दिलाने, बम्हनी बंजर निवासी नर्मदा प्रसाद ने किसान सम्मान निधि पुनः चालू किए जाने, सेमरखापा निवासी ब्रजेश कुमार ने आर्थिक सहायता दिलाने के संबंध में, इसके साथ ही जनसुनवाई में अगल-अलग विषयों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए।

2 मोटर सायकल चोर धराये, 2 मोटर सायकल जप्त

मण्डला। पहली घटना में दिनांक 21.02.24 को प्रार्थी संतोष कुमार सोनी के द्वारा बिनैका रोड़ एकता कालोनी बड़ी खैरी मंडला से अज्ञात चोर के द्वारा उसकी पल्सर 125 सीसी मो०सा० डच्51डश्1861 चोरी करने की रिपोर्ट करने पर अपराध क्रमांक 107/24 धारा 379 भादवि पंजीबध्द कर अनुसंधान में लिया गया। दुसरी घटना में दिनांक 07.07.24 को प्रार्थी विकास निखर के द्वारा मेडीकल स्टोर्स के सामने बिनैका से अज्ञात व्यक्ति के द्वारा पल्सर मो.सा. क्र. डच-51र्-ठ-3116 चोरी करने की रिपोर्ट करने पर अपराध क्रमांक 431/24 धारा 379 भादवि पंजीबध्द कर अनुसंधान में लिया गया। प्रकरण में अनुसंधान के दौरान दिनांक 21.07.24 को मुखबिर सूचना पर आरोपी प्रकाश पटैल पिता जवाहर पटैल उम्र 25 साल निवासी ग्राम छपरी जमगांव थाना मंडला से पल्सर 125 सीसी मो0सा0 डच्51डश्1861 जप्त किया गया है एवं दुसरे प्रकरण में चोरी गये वाहन को आरोपी समीर पटैल पिता विपिन पटैल उम्र 30 साल

निवासी ग्राम नारा चौकी हिरदेनगर थाना महाराजपुर से पल्सर मो.सा. क्र. डच-51र्-ठ-3116 जप्त किया गया है। प्रकरण में 02 आरोपियों से मोटरसाइकिल की बरामदगी की कार्यवाही में निरीक्षक शफीक खान के नेतृत्व में सउनि मनोज मिश्रा, खेमराज राणा, प्रआर० अभिषेक मिश्रा, पूरन इडपाचे, आर० अमित गरयार, रमेश सिंगरौरे, मानसिह, सुरेश भटेरे सायबर सेल की भूमिका रहीं।

आम जनता के लिए निराशा और कुर्सी बचाने वाला बजट है-पट्टा

मण्डला। केंद्र सरकार का बजट कल संसद में पेश हुआ इसे लेकर बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि केंद्र सरकार का यह बजट आम जनता के लिए निराशा का बजट है। इस बजट से केंद्र सरकार ने केवल अपनी कुर्सी बचाने का काम किया है। बिहार और आंध्रप्रदेश को विशेष पैकेज देकर और अन्य राज्यों को वंचित करके केंद्र सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता केवल सरकार बचाने के प्रति जाहिर की है। कुछ क्षेत्रों में कांग्रेस के न्याय पत्र की नक़ल करने की कोशिश की गई लेकिन सफल नहीं हुए। आम आदमी महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार से परेशान है इसके लिए बजट में दूर दूर तक कोई प्रावधान नहीं है, टैक्स स्लैब में कोई विशेष छूट नहीं दी गई है, किसानों की फसलों के दामों को बजट में कोई बात नहीं है। आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए बजट में दूर दूर तक कोई उम्मीद नहीं दिखाई दे रही है। पांच साल से आदिवासी उपयोजना की राशि आदिवासी जिलों में नहीं दी गई है लेकिन इसका भी बजट में कोई प्रावधान नहीं है। इस बजट से युवाओं को महिलाओं को किसानों को बेरोजगारों को ठगा गया है। ये बजट आम जनता के लिए निराशा का बजट है। पिछले बजट में चिकित्सा में शिक्षा में खेलकूद में कृषि सहित अन्य क्षेत्रों के लिए जो राशि प्रावधान की गई थी वो इस बजट के पेश होने तक भी पूरी खर्च नहीं हो सकी है ये केंद्र की मोदी सरकार की असफलता है। ये बजट सिर्फ कुर्सी बचाने वाला बजट है।

अंजनिया के वार्ड नंबर 18 में, बनी समस्या

जर्जर हालात में नाली और पुलिया हादसे की वजह बन रहे लोग, गिरकर हो रहे चोटिल

अंजनिया। विकासखंड बिछिया अंतर्गत अंजनिया ग्राम पंचायत के वार्ड नं 18 में शांति चौक पर कुछ सालों पहले पंचायत द्वारा बनाई गई नाली और पुलिया जर्जर हालत में है स इससे कहीं वाहन न फंसे कहकर वार्ड वासी नाली के बगल पर पत्थर जमा दिए हैं, जिससे बरसात का पानी नाली में न जाकर वार्ड के घरों में घुस रहा है। जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि शांति चौक के वार्ड नंबर 18 में यह समस्या काफी दिनों से बनी हुई है स वार्ड के लोगों द्वारा इस समस्या को पंचायत से कई बार अवगत कराते हो गया,लेकिन जनप्रतिनिधि कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। वार्ड वासियों की माने तो उनका कहना है कि यहाँ नाली और पुलिया को पंचायत के द्वारा नए सिरे से बनवाया जाए, या फिर उस जगह पर मरम्मतकरण करें स जिससे अभी बरसात में यहां से आने जाने वाले वाहन, पैदल गढ़, नाली में ना घुसे और पानी लोगों को घर में ना समाए।

प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की शुरुआत की जाएगी

नया बजट अमृतकाल का ब्लू प्रिंट-फग्गन सिंह कुलस्ते

मण्डला। मंडला सांसद पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने केंद्र सरकार के नए बजट का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने जो बजट पेश किया है वह देश के युवाओं, महिलाओं, किसानों, गरीबों और समाज के हर वर्ग को ताकत देगा। बजट के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार ने देश को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प जताया है। वर्ष 2024-25 का केंद्रीय बजट हर वर्ग के लिए 'मोदी की गारंटी' को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

बजट में दिखीं मोदी सरकार की नौ प्राथमिकताएं -

श्री कुलस्ते ने कहा कि समाज के हर वर्ग की बेहतरी को ध्यान में रखकर तैयार किए गए नए बजट में मोदी सरकार की नौ प्राथमिकताएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। बजट में कृषि में उत्पादकता और अनुकूलता, रोजगार और कौशल प्रशिक्षण, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, अधोसंरचना, नवाचार, अनुसंधान और विकास हैं।

मंडला सांसद पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि नया बजट विकसित भारत के विराट संकल्प की पूर्ति के लिए एक मजबूत नींव का निर्माण करेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब भारत को अगले तीन साल में 5 ट्रिलियन और 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य है, जिसकी पूर्ति में आज का बजट काफी कारगार सिद्ध होगा। श्री कुलस्ते ने कहा कि कोरोना संकट और विश्व में चल रहे क्षेत्रीय संघर्षों के बावजूद भारत की ताकत का लोहा पूरे विश्व ने माना है। मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से पिछले 10 वर्षों में भारत के लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। बजट 2024-25 ने अमृतकाल का ब्लू प्रिंट प्रस्तुत किया है। सभी के सपनों को पूरा करने वाले इस बजट में देश को समृद्ध, सशक्त, आत्मनिर्भर बनाने और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने पर खास ध्यान दिया गया है। सबका साथ, सबका विकास और सबका विकास की नीति पर चलने वाली भाजपा सरकार का यह बजट अंतिम पंक्ति में खड़े आदमी के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

हर वर्ग के सशक्तीकरण पर बल -

सांसद श्री कुलस्ते ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी जिन चार जातियों युवा, महिला, गरीब और किसानों की बात करते हैं, नए बजट में उनके सशक्तीकरण पर जोर दिया गया है। बजट में महिलाओं और बालिकाओं को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है. जो महिला विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। युवाओं से संबंधित रोजगार और कौशल प्रशिक्षण से जुड़ी 5 योजनाओं के लिए 2 लाख करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। 5 सालों में 4.1 करोड़ युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। 20 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। देश में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये के लोन का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा युवाओं को पहली जॉब पर 15 हजार रुपए सीधे ईपीएफओ अकाउंट में मिलेंगे। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए कृषि और उससे जुड़े सेक्टरों के लिए 1.53 लाख करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। 6 करोड़ किसानों की जानकारी लैंड रजिस्ट्री पर लाई जाएगी। 5 राज्यों में नए किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे। 32 फसलों के लिए 109 नई किस्में लाई जाएंगी तथा दलहन एवं तिलहन के उत्पादन पर जोर दिया जाएगा। बजट में 1 करोड़ किसानों को नेचुरल फॉर्मिंग से जोड़े जाने का प्रावधान किया गया है। गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के लिए नए बजट में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में तीन करोड़ अतिरिक्त मकान बनाने की घोषणा की गई है। जनजातीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की शुरुआत की जाएगी।'इससे 63 हजार गांवों में 5 करोड़ आदिवासी भाईयों-बहनों को लाभ होगा।

मध्यप्रदेश के विकास को मिलेगी गति -

सांसद श्री कुलस्ते ने कहा कि बजट में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। यह बजट विकसित मध्यप्रदेश की परिकल्पना को साकार करेगा। मध्यप्रदेश पर्यटन का एक बहुत बड़ा हब है। ऐसे में केंद्रीय बजट में किए गए प्रावधानों का लाभ मध्यप्रदेश को मिलना तय है। श्री कुलस्ते ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने समग्र विकास की एक रूपरेखा तैयार की है। मध्यप्रदेश को औद्योगिक हब बनाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में जबलपुर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की थी। केंद्रीय बजट में 100 शहरों में प्लग एंड प्ले औद्योगिक पार्क स्थापित करने का जो प्रावधान किया गया है, उसका लाभ भी मध्यप्रदेश को मिलेगा और प्रदेश सरकार द्वारा औद्योगिक विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों को ताकत मिलेगी।

खबर संक्षेप

महिला को मौत के घाट उतारने वाले वाहन चालक पर मामला दर्ज

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कौडिया निवासी किरण पति विनोद सोनी उम्र 48 साल जब अपनी स्कूटी से कही जा रही थी उसी दौरान वाहन क्रमांक MP49MS6478 के चालक द्वारा तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये टक्कर मारे जाने के कारण किरण सोनी को गंभीर अवस्था में उपचार हेतु शासकीय चिकित्सालय ले जाया गया था जहां पर स्थिति गंभीर होने से जिला चिकित्सालय हेतु रेफर किया गया था। जहां पर महिला की मौत होने पर पुलिस द्वारा मर्ग कायम करते हुये जांच के बाद आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मामला कायम किया गया है।

रात के समय बकरा के चिल्लाने की बात पर हुआ विवाद

गाडरवारा। गांव में किस तरह छोटी छोटी बातों को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित होती है इस बात की सच्चाई समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत2 आने वाले ग्राम मारेगांव में देखने मिली जब रात के समय बकरा द्वारा आवाज किये जाने की बात को लेकर विवाद होने स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि ग्राम मारेगांव निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुय बताया है कि मैं कुछ दिन पहले मै मेरे पिताजी के यहां ग्राम मारेगांव आई हुई हूं जब मेरे घर के सामने बंधा हमारा बकरा चिल्ला रहा था तो मै और मेरी मां बकरे के पास जाकर उसे चुप कराने की कोशिश कर रहे थे तभी वहां पर मेरे चाचा लखन अहिरवार और उनका लडका आशीष अहिरवार आये और गंदी गंदी गालिया देते हुये बोले की इतनी रात मे बकरे से शोर क्यो करवा रहे हो तो मैने चाचा लखन अहिरवार और आशीष अहिरवार से गालिया देने से मना किया तो चाचा लखन अहिरवार ने मुक्का-थप्पड से एवं आशीष अहिवार ने लाठी से मेरे साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

वृद्व महिला को लाठी मारकर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम सहावन टोला निवासी 23 वार्षिय महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसके जेठ व जेठानी के बीच किसी बात को लेकर लड़ाई हो रही थी। उसी दौरान प्रार्थिया की अज्जिया सास यानि की जिज्जी बाई पति पत्नी में हो रही झगडे पर समझाने लगी और बीते एक दूसरे क्यों लड रहे है। इसी बात को लेकर आरोपी राकेश पिता संतोष अहिरवार राकेश अहिरवार बोला कि हम पति पत्नि के विवाद पर क्यों बोली और जिज्जीबाई उम्र लगभग 70 वर्ष को घर में रखी लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थिया की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

शराब पीने के लिये पैसा न देने पर की गई मारपीट

गाडरवारा। सालीचौकी के वार्ड क्रमांक 7 निवासी लखन लाला उर्फ बब्लू पिता मूलचंद लोधी उम्र 25 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह गुड बाजार कोई समान लेने के लिये गया हुआ था उसी समय सालीचौका ही निवासी विष्णु विश्वकर्मा मिला और शराब पीने के लिये पैसों की मांग की गई जब प्रार्थी द्वारा पैसा देने से इंकार किया तो आरोपी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोट पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

खुलेआम सार्वजनिक स्थालों पर हो रहा विक्रय....

बेअसर साबित हो रही प्रशासन का मछली मारने पर प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय जिस प्रकार से क्षेत्र की स्थिति देखने मिल रही है उससे यह अनुमान लगनने से नही चूक पा रहा है कि शायद अब जिले में कानून व्यवस्था का नामो निशान ही मिट चुका है और अधिकारियों द्वारा दिये जाने वाले आदेश मात्र औपचारिकता के लिये रह गये है..? क्योंकि जहां जिला दंड अधिकारी द्वारा संपूर्ण जिले में इस समय मछली मारने से लेकर उनका परिवहन व विक्रय करने पर पूर्णरूप से 15 अगस्त तक के लिये प्रतिबंध लगाया गया है। मगर इसके बाद भी धडल्ले में क्षेत्र की जीवन रेखा माने जाने वाले नर्मदा नदी सहित अन्य नदियों में मछलियों का शिकार होते हुये देखे जाने के साथ शहरों से लेकर कस्बों में विक्रय होते हुये देखाई दे रहा है। मगर इसके बाद भै प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा चुप्पी साधे होने से यह प्रतीत हो रहा है कि शायद जिला अधिकारी का आदेश उनके सामने कोई महत्व नही रखता है? इस सच्चाई से अनुमान यह लगने लगा है कि जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा दिये जाने वाले आदेश जहां मात्र एक औपचारिकता साबित हो रहे है या फिर जिला अधिकारी के अधिनस्थ कार्य करने वाले अन्य अधिकारी जिला अधिकारी के आदेश को कोई महत्व ही नही दे रह गया है ...? खैर सच्चाई जो भी हो मगर इस समय जिस प्रकार से सभी नियमों को दर किनार करते हुये चल रहे अवैध कार्यो की सच्चाई देखते हुये यह जान पड़ रहा है कि अब कानून व्यवस्था को जिले में नामो निशान ही मिट चुका है और अधिकारियों के आदेश मात्र एक औपचारिकता पूर्ण बन चुके है और ऐसा लग रहा है कि शायद अब इस क्षेत्र का भगवान ही मालिक है? क्योंकि लोगों के मन में जहां जो मर्जी होती है वह करने लगता है। मगर उनकी मन मानियों पर अंकुश लगाने में अधिकारी असहाय साबित होते हुये दिखाई दे रहे है। जिसका परिणाम है कि शहर में शराब के साथ मांस मछली विक्रय की गति बढ़ने का नतीजा है कि नगर की वीरान जगहों पर प्रति दिन सुरा प्रेमियों की महफिलें सजने से नही चूक रही है। वही दूसरी ओर मांस मछली व अंडे विक्रय करने वालो की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि उनकी जहां मर्जी होती है वह अपनी मांसाहारी दुकान खोलकर बैठे जाते है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो आज नगर के अनेक धार्मिक स्थलों से लेकर शिक्षण संस्थाओं के आस पास खुले आम मांस व मछली अंडा की दुकाने सजने के साथ विक्रय होते हुये देखे जाने के बाद भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही न होना निश्चित तौर से चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रहा है? इस प्रकार की स्थिति के चलते जहां नगर का वातावरण प्रदूषित हो रहा है। वही दूसरी ओर धार्मिक स्थलों के इर्द गिर्द बिकने वाली मांसाहारी सामग्री के चलते आमजन की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने के कारण लोगों मे आक्रोश भी देखने मिल रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर की पानी टंकी के पास पास गायत्री मंदिर की ठीक सामने से लेकर पलोटन गंज जाने वाले मार्ग पर हनुमान मंदिर के पास खुलेआम अंडा व अन्य मांसाहारी समान को विकते हुए देखा जा रहा है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर के रेल्वे स्टेशन के पास भी देखने मिल रही है जहां पर प्रति सोमवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दिन मछली विक्रय करने वालों द्वारा खुलेआम नदियों से शिकार करते हुये लाई गई छोटी मछलियों को जिस तरह आग के माध्यम से भूंजा जाता है उसकी बदबू संपूर्ण क्षेत्र में फैलने से नही चूक पाती है। कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के अन्य अंदरूनी भागों में देखने मिल रहा है। यह सच्चाई

सिर्फ गाडरवारा शहर की ही नही बल्कि समीपस्थ सालीचौका, चीचली, सांईखेड़ा, सालीचौका सहित अन्य कस्बों में भी देखने मिल रही है जहां पर प्रतिबंध के बाबजूद खुलेआम नदियों में मछलियों का शिकार करते हुये लोगों द्वारा बाजार में विक्रय करने से नही चूक रहे है। इस प्रकार की सच्चाई को देखते हुये अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब इस समय मछलियों के शिकार करने पर प्रतिबंध लगा हुआ है तो फिर यह मछली विक्रय करने के लिये आ कहा से रही है। मगर इस ओर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण निश्चित तौर से निमयों की धज्जियाँ उड़ाने वालों के हौसले बुलंद होने से नही चूक पा रहे है? इस संबंध में चर्चा के दौरान शहर के निवासियों का कहना है कि प्रशासन को नगर में सर्वत्र हो रहे मांस विक्रय पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में पहल करना चाहिए। इस संबंध में हरिभूमि से चर्चा करते हुए नगर के लोगों ने रोष पूर्ण लहजे में कहा कि धार्मिक व सार्वजनक स्थानों पर धड़ल्ले से बिक रही मांसाहारी चीजों से नगर का वातावरण निरंतर खराब हो रहा है। वही देखा जावे तो अभी तक प्रशासन की ओर से नगर में चाहे जहां मांस मछली की दुकाने लगाने पर रोक लगाने की पहल नहीं की गयी है, जिससे मांस व मछली विक्रेता प्रशासन से बिना अनुमति लिए जहां तहां चिकिन सेन्टर खोल नगर को मांस मंडी में तब्दील कर रहे है। शहर में निर्धारित स्थान की जगह को छोड़कर अन्य धार्मिक स्थलों के आस पास व सार्वजानिक ठिकानों पर मांस की बिक्री बंद होना आवश्यक है, जबकि देखा जावे तो अनेक शहरो में मांस की बिक्री के लिए अलग से मार्केट बने है किंतु हमारे नगर में अभी तक मीट बाजार को सही ढंग से विकसित नही किया गया है और शायद प्रशासन द्वारा इन मांस विक्रेताओं को अघोषित अधिकार दे दिया गया है कि वे मनचाही जगह मांस की दुकानें लगा शहर को गंदगी के हवाले करते रहें नगर की स्थिति को देखते हुए यही जान पड़ रहा है।

नौका विहार का आयोजन कराने की तैयारी तो नहीं..?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी स्कूलों में अध्ययन करने वाले बच्चों की पढ़ाई से लेकर भवनों के निर्माण सहित उनके रख रखाव को लेकर हर साल लाखों रूपया खर्च किये जाते है। मगर इसके बाद भी शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई देखते हुये यह अनुमान लगने से नही चूक पा रहा है कि शासन द्वारा शासकीय शिक्षण संस्थाओं की व्यवस्था को लेकर जो राशि शाला प्रबंधन द्वारा उसका उपयोग किस तरह से किया जा रहा है। इस बात की सच्चाई शिक्षण संस्थाओं की व्यवस्था देखते हये सच्चाई अपने आप ही उजागर होने से नही चूक पा रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले सहावन हाई स्कूल में इस समय चल रहे बारिश के दौर में आसानी से देखने मिल रही है। बताया जाता है कि शाला प्रबंधन द्वारा समय रहते हुये यहां पर जल बहाव को लेकर उचित प्रबंध नही किये जाने का परिणाम है कि इस सीजन की पहली बारिश के दौरान ही शाला परिसर में भरे हुये पानी के चलते जहां तालाब का रूप धारण करने में कोई कसर नही छोड़ी गई तो दूसरी ओर इस तरह शाला परिसर में भरे हुये पानी को देखकर लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि कही ऐसा तो नही शिक्षा विभाग द्वारा यहां पर नौका विहार का आयोजन कराने की तैयारी की गई है...? क्योंकि शाला परिसर में भरे हुये पानी के चलते स्कूली बच्चों को आने जाने में परेशानियों का सामना तो करना ही पड़ रहा है। वही दूसरी ओर अनेक प्रकर के मच्छर जन्म लेने के कारण बच्चों के बीच मलेरिया, डेंगू सहित अन्य प्रकार की बीमारियाँ फैलने की संभावना भी प्रबल होते हुये जान पड़ रही है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जहां एक ओर प्रशासन द्वारा इस समय चल रहे मौसम को ध्यान में रखते हुये लोगों को मलेरिया से बचाव को लेकर जागरूक करने के लिये अभियान चलाते हुये कहा जा रहा है कि लोग अपने घरों के आस पास ज्यादा समय तक पानी एकत्र न होने दे..। क्योंकि रूके हुये पानी से ही मलेरिया तथा डेंगू बीमारी के मच्छर पैदा होते है। वही दूसरी ओर शासन की संस्था के परिसर में ही इस तरह बारिश का पानी एकत्र होने के चलते मच्छरों की पैदावार बढ़ाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? इस सच्चाई को देखते हुये क्या शासन प्रशासन द्वारा चलाई जा रही मलेरिया रोधी अभियान को सफलता मिलने की कल्पना कर पाना संभव माना जा सकता है? इतना ही नही शाला परिसर में पानी भर जाने के कारण स्कूल आने जाने वाले बच्चों को भी अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है।

आखिरकार इस तरह किसके संरक्षण में क्या जा रहा है विद्युत व्यवस्थाओं के साथ खिलवाड़...?

हरिभूमि न्यूज/ कल्याणपुर। जहां एक देखा जाता है कि बिजली विभाग द्वारा जिन किसानों के बिजली बिल जरा भी बाकी है तो बिल बसूली के नाम पर सिर्फ उनकी लाईन ही नहीं काटी जाती है, बल्कि संपूर्ण क्षेत्र के बिजली लाईनों को काटते हुए उनके घरों में रखी हुई सामग्री की कुर्की करते हुए समाज में अपमानित करते हुये देखा जाता रहा है। जबकि गौर किया जावे तो शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक प्रभावशाली लोग इस प्रकार के भी है जिन पर बिजली बिलों के हजारों रूपया बाकी होने के बाद भी बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा उन पर रहम करते हुए बिजती तक उपलब्ध कराई जा रही है। क्योंकि क्षेत्र में अनेक जगहों पर देखा जा रहा है कि कुछ प्रभावशाली लोगों को बिजली विभाग द्वारा ही संरक्षण देते हुए जिस प्रकार से दूसरी योजना के तहत सप्लाई किये जाने बिजली का उपयोग कराया जा रहा है इस बात की सच्चाई क्षेत्र के अनेक गांवों में आसानी से देखने मिल रही है? इस संबंध में बताया जाता है कि बिजली विभाग द्वारा सरकार की अटल ज्योति योजना के तहत लोगों को गांवों में 24 घंटे बिजली प्रदान करने हेतु अलग लाईन खीची गई है तथा किसानों को अपनी खेती बाड़ी के उपयोग हेतु अलग अलग लाईन प्रदान की गई जिसके चलते जहां खेती बाड़ी के उपयोग हेतु बिजली विभाग द्वारा बिजली प्रदाय करने के लिए निर्धारित समय किया गया है उसी समय पर बिजली प्रदान की जाती है तथा गांवों में बिजली का उपयोग करने वाले लोगों को अधिक समय तक बिजली प्रदान की जाती है। मगर क्षेत्र के कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा बिजली विभाग के अधिकारियों की मिली भगत के चलते खुलेआम अटल ज्योति योजना के तहत प्रदान की जाने वाली बिजली का धडल्ले से उपयोग करते हुये सभी निमयों की धज्जियाँ उडाने से नही चूक रहे है। बताया जाता है कि किसानों के खेतों पर लगी हुई बिजली डीपी शायद बिलों के आभाव में जल लाने के बाद बदली नही जाती है, जिसके चलते कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा खुलेआम गांव में अटल ज्योति योजना की बिद्युत लाईन से अवैधानिक रूप से कनेक्शन लेते हुए उसका उपयोग करने से नही चूकते है। मगर हद तो तब हो जाती है जब इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों को जानकारी होने के बाद भी उनके द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही न करना इस बात का उदाहरण स्पष्ट हो रहा है कि शायद बिजली विभाग द्वारा ही इस प्रकार से बिजली चोरी करने वालों को शह प्रदान की जा रही है? क्योंकि क्षेत्र के लोगों का कहना है कि जब इस प्रकार से अवैधानिक रूप से अटल ज्योति बिजली का उपयोग करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाता है तो वह सूचना देने वाले व्यक्ति के ऊपर ही अपना रौब झाडने से भी नही चूकते है। क्योंकि इस बात से तो यही स्पष्ट होता हुआ जान पड़ रहा है कि इस प्रकार से नियम विरूद्ध किये जा रहे अटल ज्योति बिजली के दुरूपयोग के संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों को जानकारी होने के बाद भी कार्यवाही न होना बिजली विभाग द्वारा ही इस प्रकार से प्रभावशाली लोगों को बिजली का उपयोग किये जाने में अपना संरक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिस प्रकार से धडल्ले जिस तरह 11 के व्ही लाईन से कन्टी बनाते हुए जोड़ी गई बिजली लाईन के संबंध में बिजली विभाग के कर्मचारियों को जानकारी न हो यह तो संभव हो ही नही सकता है? जबकि बिजली विभाग के लाईन मेनों द्वारा आये दिन क्षेत्र का भ्रमण करते हुए बिजली लाईनों की जांच की जाती रहती है, और इसके बाद भी इस प्रकार से दूसरी योजना की बिजली का उपयोग करना बिजली विभाग की मिली भगत की देने के आलवा और कुछ नही हो सकता है?

लिलवानी में भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुआ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय चल रहे सावन मास के चलते जहां चारो ओर धार्मिक कार्यक्रमों की धूम मचने के चलते पूरा महौल धर्ममय होते हुये देखा जा रहा है। इसी प्रकार से समीपस्थ ग्राम लिलवानी में ममार परिवार द्वारा आयोजित की जा रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा महापुराण के आयोजन के चलते बीते हुये मंगलवार को कथा के आयोजन रामेश्वर ममार के घर से गांव की रक्षा करने वाली माँ खेरापति दरबार द्वारा भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में जहां महिलाये अपने सिर पर कलश रखकर चलते हुये गांव के महौल को पूर्णरूप से धर्ममय बनाने में कोई कसर नही छोड़ रही थी। इस तरह कथा शुभारंभ के पहले निकाली गई कलश यात्रा में संपूर्ण गांव का जन सैलाव उमड़ते हुये देखा गया। बताया जाता है कि ममार परिवार द्वारा आयोजित किये जा रहे श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में पधारे हुये पं. कैलाशाचार्य रहली वालों द्वारा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक भगवान श्रीकृष्ण की लालाओं का अपनी अमृतमयी वाणी से वर्णन सुनाया जावेगा। वही दूसरी ओर चल रहे शिवजी के प्रिय श्रावण माह के चलते आयोजन स्थल पर प्रतिदन रूद्री निर्माण तथा शिव अभिषेख का आयोजन भी किया जा रहा है। इस तरह कथा के प्रथम दिवस बताया कि तुंगभंगा नदी के किनारे के एक गांव था वहां पर आत्म देव नाम का एक ब्राह्मण और उसकी पत्नी धुंधली रहती थी आत्म देव तो सज्जन था। लेकिन उसकी पत्नी दुष्ट प्रवृति की थी। आत्म देव बहुत उदास रहता था। क्योंकि उसको कोई संतान नहीं थी और बहुत बार उसने आत्म हत्या करने की भी कोशिश किया लेकिन सफल नहीं हो पाया। मगर एक दिन हताश होकर जंगल की तरफ आत्महत्या करने निकल गए आत्म देव। रास्ते में उन्हें में एक ऋषि जी मिले और फिर आत्म देव ऋषि को अपनी कहानी सुना कर रोने लगा और उपाय पूछने लगा ऋषि ने कहा मेरे पास अभी तो ऐसा कुछ नहीं की जिससे मैं तुम्हें कुछ दे पाऊं। लेकिन आत्म देव ने बताया की उसकी गाय को कोई बच्चा नहीं हो रहा है और जब आत्म देव ऋषि को बार बार बोलने लगा तो ऋषि ने उसे एक फल दिया और उसको अपनी पत्नी को खिलाने को कहा और कहा की एक साल तक तुम्हारी पत्नी को सात्विक जीवन जीना पड़ेगा। आत्म देव वह फल लेकर ख़ुशी ख़ुशी घर वापस आकर सारी बात धुंधली को बताता है और उसको वो फल खाने को देता है। लेकिन धुंधली सोचती है अगर बच्चा हुआ तो उसको बहुत कष्ट का सामना करना पड़ेगा यही सोच कर वह उस फल को नहीं खायी और जाकर सारी बात अपने छोटी बहन को बताई तो उसकी बहन ने उसे एक रास्ता बताया और कहा की मैं गर्भवती हूँ और मुझे बालक होने वाला है तू ही लेना उसको और उस फल

को गाय को खिला दे , इससे उस ऋषि की शक्ति का भी पता चल जायेगा। धुंधली ने ऐसा ही किया और अपने पति आत्म देव के सामने गर्भावस्था का नाटक करने लगी और कुछ दिन बाद जाकर अपने बहन से बच्चा लेकर आ गयी। आत्म देव बहुत खुश हुआ खुशियां मनाई और उस बच्चे का नाम ब्रह्मदेव रखना चाहा। लेकिन धुंधली ने फिर झगड़ कर उसका नाम धुंधकारी रखा और धुंधली ने जो फल गाय को खिलाये थे उसके भी गर्भ से मनुष्य का बालक हुआ जिसके कान लम्बे लम्बे थे इसीलिए उसका नाम आत्म देव ने गोकर्ण रखा। दोनों बड़े हो गए जिसमें धुंधकारी दुष्ट व चाण्डाल प्रवृति का था तो गोकर्ण सरल स्वभाव का था। धुंधकारी सारे गलत काम करता एक दिन तो उसने अपने पिता आत्म देव की ही पिटाई कर दी। आत्म देव बहुत दुखी हुआ और अपने दुखी पिता को देख गोकर्ण उनके पास आया और उनको वैराग्य जीवन जीने के लिए कहा और कहा की संसार में हम बस भागवत दृष्टि रखकर ही सुखी हो सकते है। गोकर्ण की बात मानकर आत्म देव गंगा के किनारे आकर भागवत के दशम स्कंध का पाठ करने लगे थे और उसी जीवन में उन्हें भगवान श्री कृष्ण की प्राप्ति हो गयी थी। इस तरह यदि कोई सच्चे मन से भगवान की भक्ति करता है तो उसे भगवान प्राप्त हो जाते है।

क्षेत्र में कागजों मे चल रहे अनेक आंगनबाडी केंद्र

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। शहरों के साथ साथ सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं व बच्चों को अनेक प्रकार के लाभ देने के उद्वेश्य से करोड़ो रूपया खर्च आगंनवाड़ी केन्द्रो की स्थाना की गई है, मगर देखनें में आता है कि ग्रामीण अंचलों मे संचालित आंगनबाडियों का फायदा महिलाओं,बच्चों को नही मिल पा रहा है?जबकि इनके लिए सरकार करोडो रूपए खर्च कर योजनाए बनाती है,इस बात की सच्चाई इस समय समीपस्थ जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत अनेक गांवों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रो में आसानी से देखने मिली सकती है? बताया जाता है कि क्षेत्र के अनेक आंगनबाडियों में मासूम बच्चों को न तो पौष्टिक आहार मिलता और न पढाई सुविधा मिल रही है, वही गर्भवती महिलाओं को इन केन्द्रों से समय समय पर जो लाभ मिलना चाहिए था वही भी नही मिल पा रहा है। जबकि केन्द्रों के कागजों के हिसाब से देखा जावे तो उनकी खाना पूर्ति पूर्णरूप से होती रहती है, ग्रामीणों का आरोप है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी व केंद्र प्रभारियों की सांठ गांठ से फर्जी बिल,आंकडे तैयार कर प्रतिवर्ष लाखों रूपए गोलमाल होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..? अनेक केंद्रों पर मनमर्जी है उन्हे आंगनबाडी केंद्र को कब बंद करना है, कब खोलना यह सब उसकी मनमर्जी पर होता है?वही संबंधित अधिकारियों द्वारा इनका निरीक्षण सिर्फ शासकीय गाड़ियों में घूमते हुए औपचारिकत पूर्ण देखने मिलता है? केन्द्र की अनेक योजनाएं बंद-आगंनबाडी केंद्रों मे चलने वाली गर्भवती महिलाओं, बच्चों के कुपोषण रोकने, पोषण आहार, गोद भराई, अन्न प्रसान,वजन मेला जैसी कई योजनाएं बंद पडी हुई जान पड़ रही है और इन तमाम कार्यक्रम सिर्फ कागजी खानापूर्ति तक सीमित है? वही आंगबाडियों द्वारा बनाए गए महिला स्व सहायता समूह की भूमिका भी संदिग्ध नजर आने से भी नही चूक पा रही है, जिसमें फर्जी समूह बनाकर फायदा उठाये जाने की चर्चाएं आम होती चली जा रही है? वही बच्चों को जिस प्रकार से साप्ताहित चार्ट के अनुसार भोजन मिलना चाहिए वह सिर्फ कागजों में तो मिल रही है,मगर हकीकत में यह सिर्फ कागजों तक ही सिमट कर रह गई है?

शहर के मुख्य चौराहों से लेकर सरकारी कार्यालय के सामने पशुओं का डेरा रहने से बन रही दुर्घटनाओं की आशंका...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। लोग अपने घरों में दूध खाने के लिए जिस प्रकार से पालते है, मगर उनकी देख रेख करने की जगह नगरवासियों को परेशानी शानी पैदा करने छोड़ देते है? पशु मालिक दूध निकालकर दुधारू पशु को अपने घर से डण्डा मारकर बाहर निकाल देते है जियके चलते शाम होते ही शहर के मुख्य मार्गो में आवारा पशुओं का जमघट लगा रहता है। इसी का परिणाम है कि आये दिन लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे है। इस प्रकार से आवारा पशुओं का इन दिनों सड़कों में जाम लगना आम बात हो गई है और आमलोग जाम से तंग आ चुके है। क्योंकि इन जानवरों को हटाये जाने को लेकर न तो प्रशासन गंभीर दिख रहा है और न ही पशु मालिक, ऐसे में आम नागरिको को काफी कठिनायों का सामना करना पड़ रहा है। कहने के लिये तो कुछ माह पहले नगर पालिका प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया पर एक पत्र जारी करते हुये लोगों को अवगत कराया गया था कि सड़को पर घूमने वाले पशुओं को पकड़कर शहर के बाहर छोड़ने के लिये एक टीम का गठन किया है। मगर पता नही वह टीम कहा काम कर रही है इस बात का पता नही नही चल पा रहा है? यदि गौर किया जावे तो इन दिनों शहर के प्रमुख स्थान पलोटन गंज, रेल्वे स्टेशन रोड़, झंडाचौक, पुरानी गल्लामंडी, राठी तिरहा, आमगांवनाका, नया बस स्टेन्ड सहित अनेक स्थानों पर यह मवेशी अपना डेरा जमाये आये दिन हादसो को भी आमंत्रित करते रहते है। इतना ही नही नगर के पुलिस के थाने के सामने भी पशुओं का डेरा होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने मजबूर होना पड़ रहा है। इस प्रकार बेपरवाह पालक शहर की सड़को पर आवारा घूम रहे इन जानवरो के पालक पूरी तरह से बेपरवाह बने रहते है तो दूसरी ओर दुधारू जानवरो का दूध निकालने के बाद पशु पालक इन्हे सड़को पर खुल्ला छोड़ देते है ऐसे में ये जानवर सड़को पर पहुंच कर अपना डेरा जमा लेते है, कभी कभार तो इन आवारा जानवरों की वजह से गंभीर हादसे भी घटित हो चुके है। मगर इन आवारा पशुओं को प्रशासन द्वारा हटाये जाने किसी भी प्रकार के प्रयास नही किये जा रहे है और न ही पशु पालकों के खिलाफ कोई कार्यवाही जिसके कारण पशु पालकों के हौसले बुलंद होते जा रहे है। जिसका परिणाम आमलोगों की जिन्दगी को खतरा उतपन्न होता जा रहा है। अतः नपा प्रशासन से मांग की जाती है कि पुनः हाका गैग का गठन कर सड़कों से आवरा पशुओं को हटवाया जावे नही तो किसी दिन किसी की जान के दुश्मन बन सकते है?

खबर संक्षेप

विधायक फुन्देलाल सिंह कलेक्टर को सौंपेंगे ज्ञापन

अनूपपुर। पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को आज 24 जुलाई को कलेक्टर अनूपपुर को अपन नर्मदा बांध परियोजना को लेकर एक ज्ञापन सौंपेंगे। उन्होंने बताया कि विगत कई वर्षों से अपर नर्मदा बाँध परियोजना शोभापुर के निर्माण किये जाने का शासन द्वारा स्वीकृति संबंधी जानकारीयों मिलती रही है। वर्तमान में विधानसभा क्षेत्र पुष्पराजगढ़ अन्तर्गत कई गाँव में भू-अर्जन और पुर्नवास और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की उपधारा के उपबंधों के अनुसार संबंधित व्यक्तियों को कलेक्टर अनूपपुर एवं पदेन उप सचिव म.प्रशासन राजस्व विभाग के द्वारा सूचना दी जा रही है। उक्त कार्यवाही से क्षेत्र की जनता में आक्रोश बढ़ रहा है। बाँध निर्माण न किये जाने के संबंध में क्षेत्र की जनता 24 जुलाई दिन बुधवार को ध्यान आकर्षण ज्ञापन सौंपना चाहती है।

फलदार एवं छायादार पौधों का हुआ रोपण

अनूपपुर। पर्यावरण संरक्षण के लिए राज्य शासन के दिशा निर्देशानुसार जिले में पौधरोपण अभियान के तहत 22 जुलाई तक पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 57 हजार 478, उद्यान विभाग द्वारा 23 हजार 500, नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा 39 हजार 14, वन विभाग द्वारा 1 लाख 74 हजार 812, खनिज विभाग द्वारा 4 हजार 65, सर्व शिक्षा अभियान द्वारा 7 हजार 628, खाद्य विभाग द्वारा 1 हजार 156, जल संसाधन विभाग द्वारा 100, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 33, लोक निर्माण विभाग द्वारा 70, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 948, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा 220, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा 300, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 2 हजार 696, कृषि विभाग द्वारा 42, पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा 271, सहकारिता विभाग द्वारा 437, परिवहन विभाग द्वारा 70, मत्स्य विभाग द्वारा 148, श्रम विभाग द्वारा 20, अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग द्वारा 16, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 2 हजार 851, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा 570, जनजातीय कार्य विभाग द्वारा 5 हजार 565 पौधरोपण किया गया है। इस प्रकार जिले में विभिन्न विभागों द्वारा 22 जुलाई तक 3 लाख 60 हजार 854 पौधों का रोपण किया जा चुका है। जिले में कम भूमि पर ज्यादा पौधों के रोपण की मियावाकी तकनीक का भी प्रयोग किया जा रहा है। पौधों के सुरक्षा के लिए भी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं।

डीडीओ प्रशिक्षण कल

अनूपपुर। जिला अंतर्गत सभी विभागों को आईएफएमआईएस संचालन हेतु एवं परिभाषित अंशदान पेंशन योजना के अंतर्गत गुमशुदा कटौत्रा (मिसिंग क्रेडिट) की राशि अभिदाता के खाते में जमा करने के संबंध में प्रशिक्षण कल दो पालियो में कलेक्ट्रेट स्थित ई-दक्ष केन्द्र में आयोजित किया गया है। उक्ताशय की जानकारी प्रभारी कलेक्टर अमन वैष्णव ने देते हुए जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को प्रशिक्षण में उपस्थिति के निर्देश दिए हैं।

14.3 मिली मीटर औसत वर्षा

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 14.3 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 9.4, कोतमा में 30, बिजुरी में 20.4, जैतहरी में 4.4, वेंकटनगर में 14, पुष्पराजगढ़ में 6.8, अमरकंटक में 27 तथा बेनीबारी में 2.2 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई।

भूमियों के संबंध में 29 जुलाई को पेशी नियत

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने बताया कि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि जिले के तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम अमोदा की भूमि खसरा नम्बर 234 रकबा 47.08 एकड़ बन्दोबस्त खतौनी संवत 1983-94 में शासकीय पहाड़ मद में तथा खसरा नम्बर 236 रकबा 18.86 एकड़, खसरा नम्बर 237 रकबा 30 एकड़, खसरा नम्बर 230 रकबा 11.80 एकड़, खसरा नम्बर 235 रकबा 10.858 एकड़ बन्दोबस्त खतौनी संवत 1983-94 में शासकीय जंगल मद में दर्ज थी।

सरपंच सचिव द्वारा कराया गया पुलिया का गुणवत्ताविहीन निर्माण

3 महीने में फट गई 7 लाख की नवनिर्मित पुलिया

घटिया निर्माण कराने के चलते पाइप के नीचे पानी हो रही लीकेज

समनापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कंचनपुर का मामला

जनपद पंचायत समनापुर के ग्राम पंचायत कंचनपुर में सरपंच जानकी बाई सचिव दान सिंह यादव के द्वारा मनरेगा योजना के तहत लगभग 7 लाख रु की लागत से पुलिया निर्माण कराया गया है। जिम्मेदारों के द्वारा पुलिया निर्माण कराए 3 महीने ही हुए है और पानी लीकेज होने लगी है।

हरिभूमि न्यूज समनापुर।

वहीं पुलिया की दीवाल में दरार आ गई है। मामले को लेकर जनपद पंचायत सीईओ सीपी साकेत ने कहा कि जांच कराकर पुलिया निर्माण में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

3 महीने में फट गई 7 लाख की पुलिया

ग्राम पंचायत कंचनपुर के तालाब पास सरपंच सचिव के द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत लगभग 7 लाख रु की लागत से पुलिया निर्माण कराया गया है। पुलिया निर्माण कराए 3 महीने ही हुए है और पुलिया में दरार हो गई,साथ ही पाइप के नीचे से पानी लीकेज हो रही है। जिस तरह पुलिया में दरार और पानी लीकेज हो रही है,इससे साफ अंदाज लगाया जा सकता है कि सरपंच सचिव के द्वारा मापदंडों को दरकिनार करते हुए स्वयं को आर्थिक लाभ पहुंचाने के चक्कर मे पुलिया का गुणवत्ताविहीन निर्माण कराया गया है। पुलिया निर्माण में जमकर लापरवाही बरती गई है। बताया गया कि पुलिया निर्माण के दौरान बेस मजबूत नही बनाया गया है और घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है। जिसके चलते पुलिया भ्रस्टाचार की भेंट चढ़ गई।

इनका कहना है

आपके माध्यम से जानकारी मिली है, पुलिया निर्माण में की गई अनिमित्ताएँ की जल्द ही जांच कर सम्बंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

सीपी साकेत
सीईओ
जपं समनापुर

आम जनता हेतु नि:शुल्क आवेदन लेखन शाखा शुभारंभ

'जिला प्रशासन की विशेष पहल'

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिले में आम जनता की समस्याओं व राजस्व प्रकरणों को त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेखों की त्रुटियों को ठीक करने के लिए चलाया जा रहा महा अभियान।

अभियान का उद्देश्य - राजस्व न्यायालय में समय सीमा पर लंबित प्रकरणों का निराकरण, नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस में दर्ज कराना, नक्शे में तरमीम, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाना, छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को योजना में जोड़ना, समग्र ई केवायसी और खसरे में समग्र आधार से लिंक एवं फार्मर रजिस्ट्री का क्रियान्वयन कराना। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय में आम जनता की आवेदन लिखने की शाखा खोली गई है। जिसमें जिले की आम जनता को योजनाओं के लाभ दिलाने के उद्देश्य से जिले की आम लोगों को आवेदन लिखाने में टायपिंग/नक्शा नवीज के द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक वसूला जाता था। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन की विशेष पहल पर आज आवेदन शाखा का शुभारंभ किया गया। आवेदन शाखा का शुभारंभ श्रीमती श्यामकली बैगा गोपालपुर के द्वारा रिबन काटकर किया गया।

शुभारंभ के समय में कलेक्टर विकास मिश्रा, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, रंजीत ठाकुर, तहसीलदार शैलेष, शशांक शेंडे, जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवार, शाखा में पदस्थ खुश्बू बरमैया, कलावती नेताम सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। आवेदन लेखा शाखा के प्रभारी अधिकारी संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी होंगे जिनकी निगरानी में संबंधित विभागों के द्वारा निराकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किए जाएंगे।

विभागीय अधिकारियों का चुप रहना मौन स्वीकृति की ओर इशारा

हरिभूमि न्यूज शहपुरा।

मध्यप्रदेश शासन के आदेश पर पूरे प्रदेश में फर्जी डाक्टर द्वारा संचालित क्लीनिक पर अवैध रूप से अंग्रेजी दवाइयां के उपयोग पर कार्यवाही के लिए सख्त कार्यवाही किया जाना है। जहां एक ओर जिला मुख्यालय पर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा फर्जी डाक्टर की क्लीनिक पर कार्यवाही की गई और उनकी क्लीनिक पर ताला लगाया गया वहीं दूसरी ओर तहसील एवं अनुभाग मुख्यालय शहपुरा में कार्यवाही न होने के चलते क्षेत्र के फर्जी डाक्टर बेखौफ होकर फर्जी क्लीनिक चला रहे हैं। मुख्यालय में अनेक स्थानों

पर अवैध रूप से फर्जी डाक्टर की क्लीनिक चल रही है जबकि प्रशासन खामोश है। वहीं विभागीय अमला जल्द कार्यवाही का आश्वासन दे रहा है। हालांकि क्षेत्र में फर्जी डाक्टर पर विभागीय अधिकारियों द्वारा इस तरह के अवैध क्लीनिक पर हमेशा से ही रहम करते रहे हैं क्षेत्र में शहपुरा, अमेरा, मानिकपुर, मेंहदवानी,बिछिया, रैपुरा सहित अनेक स्थानों पर झोलाछाप डॉक्टरों की अवैध क्लीनिक संचालित है वहीं दूसरी ओर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं किया जाना अफसरों की मानसिकता पर प्रश्न चिन्ह लगाता है।

इनका कहना है

टीम गठित हो गई है इसी हफ्ते हम पूरी टीम के साथ विकासखंड में अनेक स्थानों पर कार्यवाही करेंगे।

-सतेंद्र परस्ते (बीएमओ शहपुरा)

महिला के घर से चोरों ने चुराई जिंदगी भर की कमाई

बजाग क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद

हरिभूमि न्यूज बजाग।

बजाग मुख्यालय में चोरी की वारदात कम होने का नाम नहीं ले रहीं है, 22 और 23 जुलाई की रात्री बजाग रायपुर मुख्यमार्ग से लगे एक विधवा महिला के घर में चोरों ने पैसे और गहनों से भरी पेटी पार कर दी। पेटी में विधवा महिला की जिंदगी भर की कमाई और पुस्तैनी जेवरात रखे हुए थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इंद्रवती पड़वार रायपुर रोड में एक छोटे से टपरे में होटल चला कर अपने परिवार का पालन पोषण करती हैं परिवार में कुछ सालों पहले पति एवं पुत्र की असमय मृत्यु के बाद अपनी विधवा बहू और उसके छोटे छोटे बच्चे ही हैं, पति एवं पुत्र की असमय मृत्यू से मिली राहत राशी को उन्होंने बड़े जतन से सम्हाल कर रखा था, साथ ही पुस्तैनी जेवर एवं बहू के गहने भी उसी पेटी में थे पेटी में लगभग 2 लाख रुपये नगदी और 3 से 4 लाख रुपये कीमत के सोने और चांदी के जेवर थे। 22 जुलाई को लगभग साढ़े 10 बजे सभी लोग खाना खाकर सो गए बहू बच्चों के साथ दूसरे कमरे में सोती थी जबकि इंद्रवती के साथ उनका एक दिव्यांग भतीजा उसी कमरे में सोता था पलंग के नीचे दुकान की पेटी के साथ ही जेवर और नगदी भरी हुई पेटी रखी हुई थी। रोज की बिक्री के पैसे भी वे दुकान की पेटी से निकाल कर अंदर वाली पेटी में डाल देती थीं उस रात भी उन्होंने बिक्री के 1000 रुपये पेटी में डाले और ताला लगा कर सो गईं। सुबह साढ़े पांच बजे के लगभग जब उठी तो दुकान की पेटी दरवाजे के पास डली थी उसमें वे अपने भतीजे से बोली कि ये पेटी यहां क्यों रखी है, भतीजे ने कहा कि मैंने तो उसे छुआ भी नहीं है तब इंद्रवती ने पलंग के नीचे देखा तो उनके होश उड़ गए नगदी और जेवर वाली पेटी गायब थी और पीछे का दरवाजा खुला हुआ था। बाहर आकर सूचना दी तो वहां भीड़ लग गई। पुलिस ने भी पहुंच कर मौके का मुआयना किया और इस बात पर शंका व्यक्त की की चोर सीढी से जो कि घर के अंदर खुलती हैं उससे आया और पेटी लेकर पीछे का दरवाजा खोलकर फरार हो गया। गहरी नींद में गर्मी के कारण कमरे का दरवाजा खोलकर सोए इंद्रवती और उनके भतीजे को इसकी भनक भी नहीं लगी।

बढ़ रहीं चोरी की वारदात

बजाग क्षेत्र में जुआ सट्टा के प्रचलन के कारण चोरी की वारदात बढ़ती जा रही हैं। इस चोरी में भी जान पहचान वाले का ही हाथ होने की आशंका व्यक्त की जा रही है वरना कमरे में तीन आलमारियों को खोलने के बजाय चोर पलंग के नीचे की पेटी क्यों उठाता, उसे कैसे पता कि पैसे कहाँ रखे हैं। क्षेत्र में मोटर साइकिल और छूट पुट चोरियों की घटनाओं के बाद यह एक बड़ी घटना है। महिला और उनके परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। देखना होगा पुलिस चोर को पकड़ कर विधवा महिला का सामान और पैसे सही सलामत बरामद कर पाती है या नहीं।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने डाइट का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने 23 जुलाई 2024 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डिण्डौरी का अनुवीक्षण कर शैक्षिक गुणवत्ता वृद्धि पर कार्य के लिए आवश्यक निर्देश दिये गये। कलेक्टर के निर्देशानुसार शैक्षिक गुणवत्ता के लिए डाइट एवं जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय का अकादमिक सदस्य और प्रत्येक विकास खण्ड से बी.आर.सी.सी. एवं बी.ए.सी. न्यूनतम उपलब्धि स्तर की शाला को गोद लेकर उपलब्धी स्तर में वृद्धि के लिये कार्य करें परिवर्तन धरातल पर वास्तविक रूप से लक्षित होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की नवीन तकनीक से इन्हे जोड़ा जाए और आवश्यकता अनुसार शैक्षिक सपोर्ट प्रदान किया जाए। शिक्षण में नवाचार को बढ़ावा दिए जाने के लिए टी.एल.एम. का निर्माण कर भरपूर उपयोग किया जाए, सह सुनिश्चित किया जाए कि विद्यालय में व्यवस्थित पुस्तकालय हो, विद्यार्थी उसका भरपूर उपयोग करें और शिक्षक विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करें। संस्थान के प्राचार्य डॉ. रावेन्द्र मिश्रा द्वारा अवगत कराया गया कि अकादमिक गुणवत्ता के लिए जिले का अनुवीक्षण अमला अशोक कुमार बर्मन (प्रशिक्षण प्रभारी डाइट डिण्डौरी, अमित गोलिया (ए.पी.सी. अकादमिक) अभिजीत एफएलएन प्रभारी आपके निर्देशानुसार कार्य करेंगे और 45 दिन में उपलब्धि से अवगत करायेंगे कलेक्टर के द्वारा शैक्षिक कार्ययोजना पर विस्तृत मार्गदर्शन किया गया।

आज जनसुनवाई में प्राप्त 34 आवेदन पत्रों की हुई सुनवाई

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने आज मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित कर लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने जनसुनवाई में प्राप्त 34 आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आवेदकों की समस्याओं का निराकरण किया। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे ।

जनसुनवाई में ग्राम बिजोरी निवासी तक्ष हंसराज पिता विजय हंसराज ने आवेदन पत्र प्रस्तुत कर बताया इलाज हेतु मुख्यमंत्री सहायता कोष से आर्थिक स्वीकृति प्राप्त हुई थी, सहायता राशि वर्तमान में अप्राप्त है। कलेक्टर ने उक्त आवेदन पर कार्यवाही कर शीघ्र भुगतान करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार से ग्राम मोहगांव ग्राम पंचायत साम्हर के आवेदकगणों ने आवेदन पत्र में वार्ड क्रमांक 12 का आम रास्ता को बंद करने की शिकायत की गई है । जिस पर सीईओ जनपद पंचायत अमरपुर को मुआयना कर आवेदन पर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम गांगपुर निवासी विक्रमनाथ ने वाहन के नाम ट्रांसफर कराने के लिए जिला परिवहन कार्यालय में आवेदन किया है किन्तु विगत एक वर्ष से आवेदक का नाम ट्रांसफर नहीं कराया जाने की शिकायत की गई है। उक्त आवेदन पर आरटीओ अधिकारी को निर्देश दिए । श्रीमती रीनू मरकाम पति पुष्पराज मरकाम ग्राम मोहदा निवासी को प्रसूति अनुदान की राशि लंबे समय से न मिलने के कारण एवं उनकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए जनसुनवाई के दौरान आर्थिक सहायता के रूप में 16 हजार रूपये की राशि का चेक रेड क्रॉस मद से प्रदान की गई है।

जनसुनवाई में आवेदकों के द्वारा राशन वितरण, वृद्धावस्था पेंशन, मजदूरी भुगतान, पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम आवास, संबल योजनांतर्गत सहायता राशि, सहित अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए गए। इन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण किया गया, जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उसके लिए आवेदकों को समय सीमा दे दी गई है। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का निराकरण कर शिकायतकर्ता को अवगत कराने भी कहा है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, बुधवार 24 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

जनसुनवाई में आये 66 आवेदन

नरसिंहपुर। कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के जनसुनवाई हाल में मंगलवार को जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों ने कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले को अपनी समस्यायें बताई और आवेदन दिये। कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न आवेदनों का मौके पर भी निराकरण कराया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह,सहायक कलेक्टर शुभम-कुमार यादव सहित अन्य अधिकारियों ने भी लोगों की समस्यायें सुनी। कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 66 आवेदन आये।

गौकुलम द्वारा वेबिनार का आयोजन आज

नरसिंहपुर। गौकुलम वेबिनार श्रृंखला गाय जागरूकता और गाय अर्थव्यवस्था के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक विकास के अवसरों पर प्रकाश डालती है। राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष और जीसीसीआई के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. वल्लभभाई कथीरिया के मार्गदर्शन में जीसीसीआई द्वारा गौवंश आधारित ग्रामीण विकास विषय की अधिक समझ को बढ़ावा देने और गोमूत्र और गोबर के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास में, 24 जुलाई बुधवार को शाम 7 बजे वेबिनार आयोजित किया गया है ।

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने वाला बजटः इंजी. मिश्रा

नरसिंहपुर। गत दिवस भाजपा जिलाध्यक्ष इंजी. अभिलाष मिश्रा ने मोदी सरकार 3.0 के आम बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा लगातार संसद में 7 वी बार देश के विकास का बजट पेश किया है इसके लिए मैं पार्टी संगठन की ओर से मोदीजी व वित्त मंत्री को बधाई एवं धन्यवाद ज्ञापित की उन्होंने इस बजट के माध्यम से 2047 के विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति का खाका तैयार किया है। यह बजट समाज के हर व्यक्ति को शक्ति प्रदान करने वाला है यह बजट ग्रामीण व शहरी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाला है गांव, गरीब, किसान, महिला, नौजवान को सशक्त व समृद्ध बनाने वाला है। मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार बंचितो को सहारा देने वाली व गरीबो के उन्मूलन के लिये कार्य करने वाली है जिसके कारण पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले है। इस बजट में शिक्षा और स्किल डेवलोपमेंन्ट को नई ऊंचाईयां मिलेगी जिससे नव जवानों को रोजगार के नये अवसर प्राप्त होंगे। टैक्स में छूट से मध्यम वर्ग को आर्थिक रूप से लाभ होगा। यह बजट बहु आयामी है जो सबका साथ सबका विकास और सबके प्रयासों के साथ विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की मजबूत नीव प्रदान करने वाला है।

मारपीट करने वाले आरोपी को सजा

नरसिंहपुर। न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रसन्न सिंह के न्यायालय द्वारा गाली गलौज कर मारपीट करने के आरोप में दोषसिद्ध पाते हुये आरोपी शिवम उर्फ शुभम आत्मज स्व. जमना प्रसाद पाटकर, उम्र-26 वर्ष, निवासी-महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड भटिया टोला नरसिंहपुर को धारा-323 भा.दं.सं. के अपराध में 06 माह का सश्रम कारावास व 1000 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। प्रकरण में एक अभियुक्त अपचारी बालक है, जिसका विचारण बाल न्यायालय द्वारा किया गया है, उसका विचारण उक्त प्रकरण में नहीं किया जा रहा है, उसके संबंध में कोई तथ्य अभिलेख पर आते हैं तो अनुसांगिक मात्र होंगे, जिसका प्रकरण के गुण दोषों पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

पहले रोड का अधूरा निर्माण, फिर उखाड़ लिये संकेत बोर्ड

ठेकेदार की मनमानी, प्रशासन मौन, निरीक्षण के दौरान सजाई गई थी रोड

सरकार द्वारा लाखों रूपये की राशि स्वीकृत कर लोगो को वेहतर सुविधायें देने की कोशिश की जाती है लेकिन प्रशासन के बैठे गैर जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारियों की लापरवाही के कारण शासन की मूल्यवान योजनायें मट्टी पली हो जाती है और जनता सरकार को दोष देती रह जाती है।

नरसिंहपुर।

सरकार द्वारा वेहतर सुविधा दिये जाने को लेकर गांव गांव सड़कों को निर्माण कराया जा रहा है लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण रोड ठेकेदार मनमर्जी अनुरूप बनाई जाती है। इसी प्रकार को मामला ग्राम पंचायत गोंगावरी का सामने आया जहां पर ठेकेदार की पूरी मनमर्जी चर्म सीमा पर नजर आई।

मामला इस प्रकार

ग्राम पंचायत गोगावरी में शासन द्वारा ग्रामीणों की सुविधा के प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत रोड स्वीकृत कर ठेकेदार मै. जैन रोड निर्माण कंपनी को निर्माण कार्य का ठेका दिया गया था । निर्माण कार्य अक्टूबर 2021 को प्रारंभ किया गया था तथा निर्माण के बाद रोड का रख रखाव पांच वर्ष के लिये ठेकेदार की राशि भी सुरक्षा निधि के तौ र
प र
जमा
है ।

निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत रोड का निरीक्षण अधिकारियों द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान ठेकेदार द्वारा संकेत वोर्ड लगाये गये थे और अधिकारियों के जाते है ठेकेदार द्वारा सारे वोर्ड निकाल लिये गये ।

निरीक्षण के लिये सजाई गई थी रोड

प्रशासनिक रूप से रोड निर्माण निरीक्षण अधिकारियों द्वारा किया गया ठेकेदार द्वारा निरीक्षण के पूर्व रोड के दोनो तरफ सोल्डर मे सफाई कराकर गिट्टी व मुरम भी डाली गई थी एवं संकेत वोर्ड भी लगाये गये थे लेकिन निरीक्षण के उपरांत ठेकेदार के कर्मचारियों सारे वोर्ड निकाल लिये गये जबकि रोड निर्माण के बाद वोर्ड लगाना ठेकेदार की जिम्मेदारी होती है। ठेकेदार द्वारा वोर्ड निकाला क्यो गया यह बात लोगो के समझ से परे है या वोर्ड निकाले के पीछे ठेकेदार की क्या मंशा है जबकि निर्माण कार्य के बाद वोर्ड लगाना ठेकेदार की जिम्मेदारी होती है। ऐसा प्रतीत होता है कि ठेकेदार द्वारा निरीक्षण के लिये ठेकेदार द्वारा रोड को सजाया गया था।

प्रधानमंत्री सड़क का मामला

गोगावरी गांव को मुंगवानी से गोरखपुर रोड से जोड़ने वाली रोड की लम्बाई लगभग डेढ किलोमीटर है ठेकेदार जैन द्वारा रोड का निर्माण कार्य किया गया और निरीक्षण के दौरान रोड मे अनिवार्य वोर्ड लगाये गये थे लेकिन अधिकारियों के जाते ही ठेकेदार द्वारा रोड के सारे वोर्ड निकाल लिये गये जिसे लेकर ग्रामीणों द्वारा पूछताछ की तो ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा कोई संतुष्टि पूर्वक जबाव नही दिया गया। जबकि रखरखाव की तिथि भी पूर्ण नही हुई है।

इनका कहना है

गांव वाले रोड मे लगे वोर्ड निकालकर ले जाते है इसलिये हमारे द्वारा रोड निर्माण कार्य के दौरान लगाये गये वोर्ड निकाल लिये जाते है और निरीक्षण के दौरान पुनः लगा दिया जाते है और फिर सूचना बोर्ड निकाल लेते है ये सिलसिला तब तक चलता है जब तक रोड की अवधि पूर्ण नही हो जाती है।

पूरन जैन, ठेकेदार

वायु सेना व अग्निवीर योजना का जागरूकता शिविर आयोजित

नरसिंहपुर। गत दिवस भारतीय वायु सेना 15 एयरमेन सेलेक्सन सेन्टर वायु सेना, भोपाल द्वारा शासन के निर्देशानुसार वायु सेना अग्निवीर योजना के अंतर्गत देश के युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस श्रृंखला में एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर में संचालित 1 एम.पी. बटालियन एन.सी.सी. जबलपुर के केडिट्स का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में नोडल अधिकारी प्रभात कुमार मिश्रा प्राचार्य सी.एम.राइज स्कूल नरसिंहपुर एवं एम.आई.एम.टी. प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग की उपस्थिति में वायु सेना सारजेन्ट द्वय जितेन्द्र प्रसाद एवं डी.एस.राणा ने पावर पांइट प्रजेन्टेशन के माध्यम से वायु सेना का इतिहास, कार्य प्रणाली, उपलब्धियाँ तथा अग्निवीर वायु सेना चयन एवं प्रशिक्षण प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन एन.सी.सी. अधिकारी मेजर डॉ. पराग नेमा एवं आभार प्रदर्शन कोर्डिनेटर मनोज वैष्णव द्वारा किया गया। वायु सेना प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता उपरान्त विजेता केडिट्स अण्डर ऑफीसर राजीव कौरव, केडिट शुभम ठाकुर एवं केडिट महिमा नेमा को वायु सेना टीम द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये।

निजी विद्यालयों की मनमानी को लेकर एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर।

मंगलवार को जिले के प्राइवेट स्कूलों की मनमानी, सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी एवं व्यवस्थाये सुधारने, सरकारी स्कूलों में जर्जर स्कूल भवनों की व्यवस्थाओं को सुधार की मांग को लेकर एनएसयूआई ने कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष ईशान राय ने बताया कि संगठन ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि नरसिंहपुर जिले में बरसों से कई निजी विद्यालयों की मनमर्जी से अभिभावक परेशान रहते हैं। ऐसे स्कूलों में निर्धारित मापदंडों नियमों का उल्लंघन किया जाता है मनमानी फीस ली जाती है एवं ड्रेस, किताब पुस्तक स्कूल से ही लेने के लिए अभिभावकों को विवश किया जाता है। अधिकांश निजी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों शिक्षकों को बेहद कम वेतन पर

रखा जाता है। ऐसे निजी विद्यालय इनका शोषण करते चले आ रहे हैं। जिले के शासकीय विद्यालयों में शिक्षक शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं के लिए मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। अनेक स्कूलों में शिक्षकों की कमी है तथा भवन जर्जर हालत में है बारिश के दिनों में कई स्कूलों के भवन से पानी टपकता रहता है जिससे परेशानी यहां होती है। शहरों में प्राइवेट स्कूल जो चल रहें है, न ही उनमें ग्राउण्डों एवं पार्किंग की व्यवस्थाऐं नहीं है। ग्रामांचलों में शिक्षकों की कमी है जिससे पूर्ण रूप से छात्र/छात्राओं को शिक्षा प्राप्त नहीं हो रही है। गृह निवास से दूरस्थ अंचलों में पदस्थ शिक्षक शिक्षिकाओ को नजदीकी शालाओं विद्यालय में पदस्थ किया जावे ताकि शिक्षण कार्य प्रभावित न हो। उक्त मौके पर युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष रोहित पटेल, अंकुर बटरी अध्यक्ष आईटी सेल एनएसयूआई, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव अतुल चैरसिया, अमित श्रीवास्तव, अभिषेक लबी आदि मौजूद थे।

शिक्षा सप्ताह के तहत अभिभावकों ने ली निपुण प्रतिज्ञा

नरसिंहपुर।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की चतुर्थ वर्षगांठ पर शाला में समुदाय की सहभागिता के साथ शिक्षा सप्ताह की गतिविधि आयोजित की जा रही है । विकासखंड नरसिहपुर की जन शिक्षा केंद्र हाई स्कूल रोंसरा अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला जरजोला में जन शिक्षक आर पी शर्मा, संजय मेहरा के मार्गदर्शन में द्वितीय दिवस की गतिविधि में शिक्षा के महत्व बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान के उद्देश्य को समझने और इसके महत्व के विषय में पालको को विद्यालय में उपलब्ध शिक्षण सामग्री एवं टेबलेट पर वीडियो के माध्यम से जागरूक कर अभिभावकों छात्र छात्राओं को संस्था प्रमुख श्रीमती नेहा गिरदौनिया द्वारा निपुण प्रतिज्ञा दिलाई गई। उक्त अवसर पर शाला प्रबंधन समिति सदस्य,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सचिव की उपस्थिति रही।

क्रांतिकारी तिलक, आजाद को किया याद

नरसिंहपुर। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन ऐतिहासिक घटनाओं की एक लंबी श्रृंखला है जिसमें क्रांतिकारियों ने सर्वश्व समर्पण द्वारा बिट्रिश शासन की नींब हिला दी ऐसे ही क्रांतिकारी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक एवं चंद्रशेखर आजाद की जयंती सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में मनाई गई। छात्रा कृपा बरेठिया नें देषभक्ति गीत के माध्यम से अमर शहीदों को नमन किया। संगीत आचार्य रामषंकर पटैल ने अपने उद्बोधन में लोकमान्य बालगंगाधर तिलक के क्रांतिकारी विचारों से अवगत कराते हुए कहा कि आपने गणेश उत्सव की जो परम्परा सारे देश स्थापित की वह एकता के सूत्र में पिरोने का अविस्मरणीय कार्य था। स्वाराज्य के लिये जो संदेश दिया वह भारतवासियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बना। चंद्रशेखर आजाद ने बिट्रिश सरकार की दमनकारी नीतियों का विरोध करते हुये आजाद ही रहे कभी उनकी पराधीनता स्वीकार नही की। हम सभी का दायित्व है कि क्रांतिकारी विचारों से प्रेरणा लेते हुए जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दे।

महाविद्यालयों में मनाया गया गुरु पूर्णिमा महापर्व

तेंदूखेड़ा

शासन के निर्देशानुसार तेंदूखेड़ा क्षेत्र के प्राइवेट एवं शासकीय महाविद्यालयों में गुरु पूर्णिमा पर्व का आयोजन किया गया ।

संत मोनी महाविद्यालय में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शासकीय महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती अपर्णा चौबे तथा अध्यक्षता प्राचार्य डॉ श्रीमती किरण प्रभा जैन ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ प्रकाश जैन कमल कुमार शास्त्री सदस्य चंद्रभूषण पाठक प्रमुख रुप से उपस्थित थे। सरस्वती पूजन से शुरु हुये कार्यक्रम में सभी छात्राओं ने गुरु जनों का सम्मान किया। वहीं कमल कुमार शास्त्री ने गुरु शिष्य परंपरा के बारे में काफी विस्तार से प्रकाश डाला।

श्रीमती किरण प्रभा जैन ने छात्रों को गुरु के सम्मान की महत्वा पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि अपर्णा चौबे ने आदिकाल से ही चली आ रही गुरु शिष्य परंपरा तथा गुरु के बिना जीवन अधूरा और गुरु ऋण के महत्व को समझाया । विशिष्ट अतिथि डॉ प्रकाश जैन ने विद्यार्थियों से अपने समय के गुरूओं की चर्चा करते हुए अपनी बात रखी। संचालन वरिष्ठ प्रोफेसर सीताराम रैकवार ने किया ।इस मौके पर देवानंद धानक नरेश पटेल डॉ रश्मि साहू आनंद धारा जैन सरिता जैन महिमा जैन संतोष पटेल शिवानी रैकवार साक्षी पांडे एवं महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही। आभार श्रीमती अरुणा जैन ने व्यक्त किया।

शासकीय महाविद्यालय में हुआ आयोजन

कार्यकम का शुभारंभ सरस्वती पूजन के साथ एवं अतिथियों के स्वागत के साथ किया गया छात्र-छात्राओं के द्वारा गुरू वंदना की गई।गुरूजनों का सम्मान एवं पुष्प अर्पण किये गये। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य अपर्णा चौबे के द्वारा स्वागत भाषण एवं महाविद्यालय का परिचय और उसके विजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।साथ ही शिक्षा में नैतिकता एवं वर्तमान शिक्षा प्रणाली में शिक्षा की भूमिका के बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमति अरूणा जैन ने महर्षि वेद व्यास के जन्म से ही गुरुपूर्णिमा जैसे महान पर्व को मनाने की परंपरा पर प्रकाश डाला। कार्यकम में डॉ. बी.डी. विश्वकर्मा डॉ. मनीषा वर्मा डॉ. रश्मि तिवारी डॉ. आदर्श चौधरी डॉ. प्रशांत कुमार एवं श्री दिपेश ठाकुर के साथ-साथ महाविद्यालय के छात्र-छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यकम का संचालन कु. सुशीला कतिया द्वारा किया गया।